तरक्की का सफ़र-6

“मैंने प्रीती से पूछा कि उसने ऐसा मेरी बहनों के साथ क्यों किया ? तो उसने अपनी ज़ुबानी ये दास्तान सुनाई। प्रीती की कहानी : “मेरी कहानी उस समय शुरू हुई जब तुमने मेरे जिस्म का सौदा अपने बॉस के साथ, पैसे और तरक्की के लिये किया।” “पूरी रात मैं सो नहीं सकी। अब मैं क्या करूँ, […] ...”

Story By: raj aggarwal (raj_aggarwal)
Posted: Thursday, September 15th, 2005
Categories: ऑफिस सेक्स
Online version: तरक्की का सफ़र-6

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तरक्की का सफ़र-6

मैंने प्रीती से पूछा कि उसने ऐसा मेरी बहनों के साथ क्यों किया ? तो उसने अपनी ज़ुबानी ये दास्तान सुनाई।

प्रीती की कहानी :

मेरी कहानी उस समय शुरू हुई जब तुमने मेरे जिस्म का सौदा अपने बॉस के साथ, पैसे और तरक्की के लिये किया।

पूरी रात मैं सो नहीं सकी। अब मैं क्या करूँ, ये सवाल मुझे खाये जा रहा था। आत्महत्या कर लूँ ये भी ख्याल आया, किंतु आत्महत्या समस्या का समाधान नहीं है। ये डरपोक लोगों का काम है और मैं डरपोक नहीं थी।

फिर ख्याल आया कि तुम्हें छोड़ कर तुमसे तलाक ले लूँ, पर ये तुम्हारी सज़ा नहीं थी। तुम मुझे बदनाम कर दोगे कि मैं गंदे कैरैक्टर की औरत हूँ और तुम दूसरी शादी कर लोगे। और शायद अपनी नयी बीवी के साथ भी वही सब करोगे जो मेरे साथ किया।

फिर मुझे ख्याल आया कि मुझे तुमसे बदला लेना है। मैं तुम्हें इतना जलील करना चाहती थी, जितना तुमने मुझे किया है। उस समय मेरे पास कोई उपाय नहीं थी इसलिये सोचा कि हालात को देखते हुए मैं नॉर्मल रहूँ और वक्त का इंतज़ार करूँ।

मगर प्रीती ! वो तो सिर्फ़ एक समय के लिये था, मैं नहीं चाहता था कि तुम वेश्याओं की तरह अपनी लाइफ गुज़ारो, मैंने दुख भरे शब्दों में कहा।

कुछ भी हो, मैं वेश्या बन गयी, तुम चाहो या ना चाहो। राज या तो तुम भोले हो या

नदान, प्रीती ने जवाब दिया, मैं जानती थी कि तुम्हारे बॉस एम-डी और महेश मुझे एक बार चोद कर छोड़ने वाले नहीं थे, वो फिर मुझे चोदना चाहेंगे और तुम्हें लालच या ब्लैक मेल कर मुझे चुदवाने पर मजबूर कर देंगे।

तुम्हें याद है जब एम-डी ने मुझे क्लब पर अकेले बुलाया था ? उसने अपने लिये नहीं, बल्कि अपने दोस्तों के लिये बुलाया था। मैं वहाँ पहुँची तो एम-डी ने मुझसे कहा कि प्रीती तुम अभी उम्र में छोटी हो और समझदार भी, मेरे कई दोस्त तुम्हें पाना चाहते हैं। तुम सहयोग दो तो तुम काफी अमीर बन सकती हो। मैं मान गयी, दो चार लंड और चूत में लेने से मुझे कोई फ़रक नहीं पड़ने वाला था और बाकी की कहानी तुम्हें मालूम है।

फिर एक दिन मुझे अंजू और मंजू का खत मिला। उसी समय मुझे अपनी मंज़िल दिखायी देने लगी। तुम अपनी बहनों से बहुत प्यार करते हो, इसलिये मैं इन दोनों को भी अपनी तरह रंडी बनाकर तुम्हें जलील करना चाहती थी। मुझे आगे क्या और कैसे करना है, इसपर सोचना शुरू कर दिया।

पर तुम्हें कैसे यकीन था कि तुम अंजू और मंजू को इन सब के लिये तैयार कर लोगी ? मैंने पूछा।
यकीन तो मौत के सिवा किसी चीज़ का नहीं है राज, पर मैं जानती थी कि मैं कामयाब हो जाऊँगी।
तुम्हें इतना यकीन क्यों था ? मैंने वापस पूछा।

राज ! तुम्हें याद है ? हमारी सुहागरात के दूसरे दिन सुबह मैंने तुम्हें बताया था कि अंजू और मंजू मुझे तंग कर रही थी…. जब मैं सुबह किचन में चाय बना रही थी।
हाँ मुझे याद है, मैंने जवाब दिया।

उस दिन सुबह अंजू ने मुझसे पूछा, क्यों भाभी ! आपको हमारे भैया का लौड़ा कैसा लगा ?

मैं शरमा गयी थी पर कुछ जवाब नहीं दिया।

फिर मंजू ने कहा, भाभी ! भैया ने आपको रात को सोने भी दिया या फिर सारी रात आपको चोदते रहे।

मैं उन दोनों को डाँट कर वापस आ गयी।

फिर जब भी हम तीनों अकेले होते तो ये दोनों सवाल करने लगती, कि चुदाई कैसे की जाती है, लंड कैसा होता है। लंड जब चूत में घुसता है तो दर्द होता है क्या। एक दिन मैंने हँसते हुआ कहा, लगता है तुम दोनों को चुदवाने का बहुत मन कर रहा है ?

पर उनके जवाब ने मुझे हैरान कर दिया, हाँ भाभी ! बहुत मन करता है, अगर हमें बच्चा होने का डर ना होता तो कभी का हम लोग चुदवा चुकी होती।

राज इससे तुम्हें तुम्हारा जवाब मिल गया होगा। मुझे सिर्फ़ इन्हें चुदवाने के लिये उक्साना था और ये दोनों तो तैयार ही बैठी थी इसके लिये। फिर मैंने प्लैन बनाया कि इन दोनों की कुँवारी चूत मैं अपने दोनों भाई राम और श्याम से चुदवाऊँगी। जब इन दोनों के भाई यानी तुमने मेरी कुँवारी चूत ली है तो मैं भी अपने भाइयों से तुम्हारी कुँवारी बहनों की चूत चुदवाऊँगी। ये एक प्रकार से जैसे को तैसा था।

पर प्रीती ! जब मैंने तुम्हारी चूत चोदी थी तो हमारी शादी हो चुकी थी, मैंने कहा।

प्रीती ने मेरी बात को अनसुना कर दिया और अपनी कहानी जारी रखी।

समय सही होना चाहिये था इसलिये मैं समय का इंतज़ार करने लगी। मेरे भाइयों को भी लंबी छुट्टी मिलने वाली थी। इसलिये मैंने तुम्हें घर चलने को कहा, पर मुझे मालूम था कि काम की वजह से तुम नहीं चलोगे।

कुछ भी गलत ना हो इसलिये मैं तुम्हारे वो स्पेशल दवा मिले कोक की चार बोतलें और स्कॉच की चार बोतलें अपने साथ ले कर गयी थी।

वहाँ जब मैं पहुँची तो तुम्हारी बहनों को सैक्स के अलावा और कोई टॉपिक नहीं था बात करने का। मैं भी उन्हें सैक्स के बारे में बता कर उनकी चुदवाने की इच्छा और मजबूत करती रही। मैंने उन्हें मुंबई आने को भी कहा।

एक दिन दोनों ने मुंबई जाने की इजाज़त तुम्हारे पिताजी से ले ली।

मैं अपने घर होते हुए मुंबई आने वाली थी। सो ये दोनों भी मेरे साथ मेरे मायके आ गयी।

राम ने हम तीनों को रीसीव किया और हम घर पहुँचे। मैंने देखा कि मेरे दोनों भाई तुम्हारी दोनों बहनों को बहुत ही घूर रहे थे। मैं समझ गयी कि ये दोनों भी इन्हें चोदना चाहते है। माँ और पिताजी को एक शादी में पास के गाँव में जाना था। वो हम सब को छोड़ कर दो दिन के लिये शादी में चले गये। इस बात ने मेरे प्लैन को और मजबूती दे दी।

हम पाँचों घूमने जाते, सिनेमा देखते। मैंने जानबूझ कर चारों को ज्यादा समय अकेले बिताने को दिया जिससे ये लोग आपस में करीब आ सके।

शाम को मैं उन दोनों के कमरे में गयी और कहा कि मैं तुम दोनों से कुछ बात करना चाहती हूँ?

हाँ दीदी कहो, राम ने कहा।

क्या तुम दोनों नाज़िया को अब भी चोदते हो? ये सवाल सुनकर दोनों चौंक गये। राज! मैं तुम्हें बता दूँ नाज़िया हमारी नौकरानी का नाम है।

फिर श्याम ने हिम्मत करके के पूछा कि दीदी आपको किसने बताया कि हम नाज़िया को

चोदते हैं।

मैं पिछले दो साल से जानती हूँ ये बात… ! मैंने जवाब दिया, पर नाज़िया कहीं दिखायी नहीं दे रही।

नाज़िया अपने गाँव गयी है, दस दिन में वापस आयेगी… राम ने कहा।

मैंने मुद्दे की बात पर आते हुए कहा कि अच्छा एक बात बताओ ! क्या तुम दोनों अंजू और मंजू को चोदना चाहोगे, दोनों कुँवारी हैं, और कुँवारी चूत को चोदने में बहुत ही मज़ा आयेगा।

अपनी जगह से उछलते हुए राम ने कहा, हाँ दीदी ! हमने कई सालों से कोई कुँवारी चूत नहीं चोदी, क्या वो दोनों मान जायेंगी ?

ये सब तुम मुझ पर छोड़ दो, वो दोनों तुम लोगों से चोदने की भीख मांगेंगी।

ठीक है मैं फिर बाज़ार से कुछ कंडोम खरीद कर ले आता हूँ… श्याम बोला।

कोई जरूरत नहीं है, तुम दोनों अपना पानी उन दोनों की चूत में ही छोड़ देना। उन्हें कुछ नहीं होगा… मैंने कहा।

ठीक है ! तुम दोनों ठीक आठ बजे हॉल में आ जाना। राम तुम अंजू को चोदना और श्याम तुम मंजू को। फिर तुम आपस में अदला बदली भी कर सकते हो। एक छोटी सी पार्टी रखी है मैंने, तुम दोनों क्या पियोगे ? मैंने पूछा।

ओहह दीदी ! एक रात में दो दो कुँवारी चूत…. दीदी हम लोग बीयर पियेंगे राम ने कहा।

मैंने सब इंतज़ाम कर रखा था। राम और श्याम के लिये बीयर और अंजू और मंजू के लिये

तुम्हारा स्पेशल कोक और उसमें थोड़ी सी स्कॉच और मेरे लिये सिर्फ स्कॉच। मैंने नाश्ते का भी इंतज़ाम कर रखा था और अपना कैमरा भी जो तुमने मेरे जन्मदिन पर तोहफा दिया था।

सबसे पहले अंजू और मंजू एक दम सज धज कर हॉल में दाखिल हुई। भाभी हम दोनों कैसी लग रही हैं, अंजू ने एक मॉडल की तरह अपनी टाँगें हिलाते हुए पूछा। बहुत ही सुंदर और जानदार लग रही हो मेरी जान, मुझे यकीन है तुम दोनों को देख कर लड़कों का लंड खड़ा हो जायेगा।

भाभी आप भी ना! दोनों शरमा गयीं।

नहीं मैं सच कह रही हूँ! अच्छा तुम दोनों उनके लंड की तरफ देखना वो जब आयेंगे। मैंने कहा।

इतने में राम और श्याम कुर्ता पायजामा पहने हुए हॉल में आये, अरे तुम दोनों तो बहुत सुंदर और सैक्सी लग रही हो…. दोनों ने कहा। उन दोनों का लंड तंबू की तरह उनके पायजामे में खड़ा हो गया।

देखो मैंने नहीं कहा था… दोनों अंजू और मंजू शर्म के मारे लाल हो गयी।

चलो पार्टी करते हैं, कहकर मैंने राम और श्याम को उनकी बीयर और दोनों लड़कियों को स्कॉच मिली हुई स्पेशल कोक का ग्लास पकड़ा दिया। खुद भी मैंने अपने लिये स्कॉच का तगड़ा पैग बना लिया।

दीदी! तुम… ये शराब? राम ने चौंकते हुए पूछा। चारों लोग मुझे हैरानी से देख रहे थे।

हाँ! क्यों? मैं नहीं पी सकती क्या… मुंबई में कभी-कभी पार्टियों में सोशियलाइज़िंग के

लिये पीनी पड़ती है… मैंने झूठी सफ़ाई दी।

हम लोग हँसी मज़ाक और बातें करते रहे। स्पेशल कोक ने और स्कॉच ने अपना असर दिखाना शुरू किया।

भाभी बहुत गर्मी है ना… कहकर अंजू ने अपना ग्लास एक ही झटके में खतम कर दिया। हाँ भाभी! कुछ ज्यादा ही गर्मी है… कहकर मंजू भी अपनी सीट पर मचल रही थी।

मैं समझ गयी कि इनकी चूत में खुजली होनी शुरू हो गयी है।

तुम चारों डाँस क्यों नहीं करते? कहकर मैंने स्टिरियो पर म्यूज़िक लगा दिया।

बीस मिनट तक चारों म्यूज़िक पर डाँस कर रहे थे और मैं उन्हें देख रही थी। मैंने देखा कि दोनों लड़कियाँ मदमस्त होकर डाँस कर रही थीं और अंजू एक हाथ से अपनी चूत को रगड़ रही थी। कोक ने और स्कॉच ने अब अपना पूरा असर दिखाना शुरू कर दिया था।

पर लगता था कि मंजू की चूत में ज्यादा खुजली हो रही थी, अब मुझसे नहीं रहा जाता… कहकर उसने श्याम को अपने और नज़दीक कर लिया और अपनी चूत उसके लंड पर रगड़ने लगी।

ओह बहुत अच्छा लग रहा है… कहकर श्याम मंजू को किस करने लगा और अपना लौड़ा ज्यादा जोर से उसकी चूत पर रगड़ने लगा।

श्याम और मंजू को देख, राम ने भी अंजू को अपनी बाँहों में भर लिया… ओह! राम मुझे किस करो ना? अंजू सिसकते हुए बोली।

किसिंग करते हुए राम और श्याम दोनों के मम्मे दबा रहे थे। थोड़ी देर में दोनों ने उनके ब्लाऊज़ के बटन खोल दिये थे और ब्रा ऊपर को खिसका दी थी।

सच में राज ! देखने लायक नज़ारा था। अंजू और मंजू अपने मम्मे उन दोनों से दबवा रही थी, और मेरे भाई अपने लंड को जोर-जोर से तुम्हारी बहनों की चूत पर रगड़ रहे थे। उनके मुँह से मीठी-मीठी सिसकरी निकल रही थी।

राज तुम्हें याद है… ? उस दिन तुमने क्या किया था ? तुम्हें जरूर याद होगा ! मैंने तुम्हारी तरह ही उनके पेटीकोट का नाड़ा पकड़ कर खींच दिया और उनका पेटीकोट खुल कर नीचे गिर गया। फिर मैंने उनकी पैंटिज़ में हाथ डाल कर उन्हें भी उतार दिया। दोनों बहनों ने अब सिर्फ अपने हाई हील के सैंडल्स पहने हुए थे। मेरे दोनों भाई भी कपड़े उतार कर नंगे हो चुके थे। तुम्हारा लंड कितना अच्छा लग रहा है राम ! हाँ जोर से रगड़ते जाओ… अंजू ने सिसकरी भरी।

जोर-जोर से अपने लंड को मेरी चूत पे रगड़ो श्याम… मंजू ने मादकता भरी आवाज़ में कहा।

अंजू की हालत खराब हो रही थी। राम अब मुझसे नहीं रहा जाता, मेरी चूत की खुजली अब बर्दाश्त नहीं होती, अब अपना लंड मेरी चूत में डालकर मुझे चोदो… वो बोली। राम तो इसी का इंतज़ार कर रहा था, वो अंजू को बिस्तर पर लिटा कर उसके ऊपर चढ़ गया और अपना लंड अंजू की चूत में घुसा दिया।

आआहहह मर गयी… अंजू दर्द से तड़पी।
राम रुक गया और बोला, क्या दर्द हो रहा है ?

तुम मेरे दर्द की परवाह ना करो, बस मुझे जोर जोर से चोदते जाओ… अंजू की बातें सुन राम ने एक ही झटके में अपना पूरा लंड उसकी चूत में घुसा दिया और उसे चोदने लगा। अब अंजू कुँवारी नहीं रही थी। मैं मुस्कुरायी।

अंजू के मुँह से सिसकरियाँ छूट रही थी। हाँआँआँ… ऐसे ही… हाय चोदो… और जोर से हाँ… फाड़ दो मेरी चूत को… आआआहह।

मुझे भी मज़ा आ रहा था। अब मैंने श्याम और मंजू की और देखा तो पाया कि श्याम को कुछ प्रॉब्लम हो रही थी। मैंने पूछा, श्याम तुम मंजू की चूत में अपना लंड क्यों नहीं डाल रहे हो ?

दीदी मैं कोशिश कर रहा हूँ पर नहीं जा रहा। इसने अपनी टाँगें सिकोड़ रखी हैं। उसने कहा।

मेरी समझ में नहीं आया कि क्या कहूँ… क्या करूँ। फिर मुझे याद आया कि मेरी पहली रात में तुमने क्या किया था। मैंने श्याम से कहा, श्याम ! इसकी चूत पर जोर-जोर से अपना लौड़ा रगड़ो।

श्याम मंजू की चूत पर जोर-जोर से अपना लंड रगड़ने लगा। इस से मंजू में गर्मी भरने लगी, और उसने सिसकरी लेते हुए अपनी टाँगें फैला दी।

अब फाड़ दे इसकी चूत… मैं चिल्लायी। मैं भी काफी ड्रिंक कर चुकी थी और नशे में थी। श्याम ने एक ही धक्के में अपना लंड उसकी चूत में समा दिया।

ऊऊईई माँआँआँ… मंजू दर्द में तड़पी, पर श्याम बिना रुके जोर से और तेजी से उसे चोदने लगा।
श्याम इतनी जोरों से नहीं ! जरा से प्यार से चोदो… इतना कहकर मैं आराम से अपनी ननदों की मेरे भाइयों द्वारा चुदाई देखने लगी।

अंजू को सबसे ज्यादा मज़ा आ रहा था। उसने राम को कस कर भींच रखा था और अपनी टाँगें उछाल कर उसकी थाप से थाप मिला रही थी, ऊऊऊऊऊ राम ! कितना अच्छा लग

रहा है, हाँआँआँ ऐसे ही… हाय चोदते जाओ, हाँआंआंआं… और जोर से… ओहहह आहहाह मेरा छूटने वाला है… और उसकी चूत ने पानी छोड़ दिया। वो अपनी उखड़ी साँसें संभालने लगी। राम ने भी दो चार जोर के धक्के मार कर उसकी चूत में अपना वीर्य छोड़ दिया।

उधर दूसरी तरफ मंजू भी अपनी पहली चुदाई के आनंद से दूर नहीं थी। श्याम और ज्यादा अंदर घुसाओ, क्या तुम तेजी से नहीं चोद सकते… हाँ इसी तरह… और तेजी से हाँआँआँ… हाँआँ… मेरा छूटने वाला है… वो सिसकरियाँ भर रही थी।

श्याम भी अपना पूरा जोर लगा रहा था उसे चोदने में। हाँआआ… ले मेरे लंड को… अंदर तक ले… हाँआआआ और ले… और उसने अपना पानी मंजू की चूत में छोड़ दिया, लेकिन उसने चुदाई चालू रखी। शायद उसका लौड़ा अभी भी तना हुआ था। उसके पानी ने मंजू को भी पानी छोड़ने पर मजबूर कर दिया। ओहह… मेरा पानी छूट रहा है… कहकर उसका बदन ढीला पड़ गया।

दोनों जोड़े चूमा चाटी करते हुए चुदाई के बाद का आनंद ले रहे थे। सच कहती हूँ राज उस दिन मुझे इतनी खुशी मिली कि मैं क्या बताऊँ।

चलो लड़को ! तुम लोग ऐसे नहीं लेटे रह सकते, तुम चारों थोड़ा और डाँस क्यों नहीं करते… मैंने राम और श्याम को बीयर पकड़ाते हुए कहा। तुम लड़कियों को भी प्यास लग रही होगी ? कहकर मैंने दोनों को वो स्पेशल कोक का ग्लास दे दिया। मुझे भी नशे में ध्यान नहीं रहा और मैंने भी स्कॉच की जगह अपने ग्लास में वो स्पेशल कोक डाल लिया।

हम पाँचों म्यूज़िक पर डाँस कर रहे थे। इस बार राम ने मंजू को और श्याम ने अंजू को साथ लिया हुआ था।

अंजू तुम इतनी दूर रहकर क्यों डाँस कर रही हो, मुझसे सट कर डाँस करो ना ? श्याम ने अंजू को अपने करीब खींचते हुए कहा।

ना बाबा ! मैं नहीं आ सकती, पहले तुम्हारे लंड का कुछ करो, ये मेरे पेट में चुभता है… अंजू ने हँसते हुए कहा।

अच्छा तो ये बात है ? तो इसका हल अभी कर देते हैं… कहकर श्याम ने अंजू को कमर से पकड़ नीचे लिटा दिया अपना लंड अंजू की चूत में डाल दिया।

श्याम ! तुम बदमाश हो, अंजू ने चुलबुलाते हुए कहा, मैंने तुम्हें अपने लंड को मेरी चूत में डालने की इजाज़त नहीं दी थी।

जान मेरी ! खड़े लंड की सही जगह चूत है और अब ये ऐसे भी तुम्हारे पेट को नहीं चुभ रहा। इतना कहकर श्याम अंजू को बिस्तर पेर लिटा कर चोदने लगा।

राम देखो ! वो दोनों चुदाई कर रहे हैं ! क्या हम दोनों ऐसे ही उन्हें देखते रहेंगे… मंजू ने प्यासी नज़रों से देखते हुए राम से कहा।

नहीं जान हम भी चुदाई करेंगे… राम ने हँसते हुए कहा। इतना सुनकर मंजू बिस्तर पे लेट गयी और अपनी टाँगें फैला कर बोली, आओ राम ! और ये मोटा लंड मेरी चूत में जोर से पेल दो, बहुत खुजली हो रही है मेरी चूत में।

दोनों राम और श्याम कस कर मंजू और अंजू की चुदाई कर रहे थे। हर चुदाई के बाद ये आपस में पार्टनर बदल लेते थे। आखिर में दोनों थक कर चूर हो चुके थे। एक बूँद पानी भी दोनों के लंड में नहीं बचा था, और अंजू मंजू की चूत पानी से भरी हुई थी। उनकी चूत से पानी टपक रहा था। किंतु उनका मन नहीं भरा था। वो और चुदवाना चाहती थी।

राम अपने लंड को खड़ा करो…! अंजू ने शिकायत भरे सुर में कहा और उसके लंड की चमड़ी को ऊपर नीचे करने लगी।

रुको मेरी जान थोड़ा वक्त लगेगा…. राम ने कहा।

मगर मैं अभी चुदवाना चाहती हूँ… अंजू ने जवाब दिया।

श्याम अपना लंड जल्दी से खड़ा करो और मुझे चोदो, मेरी चूत की खुजली अभी मिटी नहीं है !” मंजू भी बोली।

हाँ मेरी जान जैसे ही ये खड़ा होता है… मैं तुम्हें चोदूँगा.” श्याम बोला।

ओह ! मैं क्या करूँ ?” मंजू अपनी चूत को रगड़ते हुए बोली।

अगर तुम दोनों लड़कियों को चुदवाने की इतनी ही जल्दी है तो तुम दोनों इनका लौड़ा क्यों नहीं चूसती हो ? इससे इनका लंड जल्दी खड़ा हो जायेगा…. मैंने सलाह दी।

मेरी बात सुन कर दोनों लड़कियाँ उनके लंड को मुँह में ले कर जोर-जोर से चूसने लगी। थोड़ी ही देर में दोनों का लंड तन कर खड़ा हो गया। चुदाई के बाद चारों अपने कमरे जा कर गहरी नींद में सो गये।

पर मेरी खुद की हालत खराब थी। मैंने अकेले ही स्कॉच की आधी से ज्यादा बोतल पी ली थी अब तक और दो ग्लास स्पेशल कोक भी पी लिये थे। मेरी चूत में इतनी खुजली मची थी कि क्या बताऊँ। ऊपर से नशे में मैं खड़ी भी नहीं हो पा रही थी। मैंने अपने कपड़े फटफट उतार दिये और कुछ देर अपनी अँगुलियों से चूत को रगड़ती रही। पर चूत को ऐसे ही राहत नहीं मिलने वाली थी। उस समय तो मैं किसी से भी चुदवाने को तैयार हो जाती पर मेरे भाई भी थक कर चूर सो गये थे। उनसे कोई उम्मीद नहीं थी। मैं नशे में, सिर्फ अपने

सैंडल पहने लड़खड़ाती हुई पागलों की तरह किचन की तरफ बढ़ी और फिर फ्रिज में से मोटा सा खीरा निकाल कर अपनी चूत चोदी। तब जाकर पंद्रह-बीस मिनट में कुछ चैन पड़ा।

दूसरे दिन मेरी आँख खुली तो खुद को किचन के फर्श पर ही सिर्फ सैंडल पहने नंगी लेटे पाया। मैं उठ कर इन लड़कियों के बेडरूम में गयी तो देखा कि अंजू और मंजू गहरी नींद में सोयी पड़ी थी। उन दोनों की फैली टाँगों के बीच उनकी गोरी चूत देख कर मेरे मन में एक ऑयडिया आया और मैं कपड़े पहन कर अपने भाइयों को बुलाने उनके कमरे में गयी। उनको सोते से जगाते हुए कहा…. यहाँ तुम दोनों सोये हुए हो और वहाँ वो दोनों चुदवाने को बेचैन हैं। वो दोनों बिस्तर से उछले और अपना लंड पकड़ते हुए मेरे पीछे चले आये।

दीदी ! ये दोनों तो अभी तक सो रही हैं !

तो क्या ? इनकी चूत चाट कर इनको उठाओ… मैंने राम को अंजू पर ढकेलते हुए कहा।

ये क्या कर रहे हो ? अंजू नींद से चौंक कर जागती हुई बोली।

कुछ नहीं ! अपने लंड के धक्कों से तुम्हारी सोयी हुई चूत को जगा रहा हूँ…” कहकर राम ना अपना लंड अंजू की चूत में घुसा दिया।

ओहहह राम !! कितना अच्छा लग रहा है… अंजू ने सिसकरी भरी।

श्याम अब मुझे और मत तड़पाओ, प्लीज़ अपना लंड मेरी चूत में डाल दो…. मंजू ने श्याम से कहा जो उसकी चूत को चाटे जा रहा था।

दोनों चुदाई करने के बाद एक बार फिर पार्टनर बदल कर चुदाई करने लगे। थोड़ी देर बाद मैंने कहा… बस अब तैयार हो जाओ, हमें घूमने जाना है।

ओह भाभी ! अभी कितनी सुबह है। बाद में चलेंगे ना, मेरी चूत मैं अभी भी खुजली हो रही है। अंजू ने कहा।

हाँ भाभी ! जल्दी क्या है जाने की ? मैं भी और चुदवाना चाहती हूँ… मंजू भी बोली।

नहीं मेरी प्यारी ननदों, हमें जहाँ जाना है वो जगह यहाँ से दो घंटे की दूरी पर है और हमें शाम होने तक वापस भी तो आना है। इसलिये तैयार हो जाओ और रात को जितना मरज़ी हो उतना चुदवा लेना…। मैं दोनों भाइयों को कमरे के बाहर धक्का देने के बाद आयी तो देखा दोनों लड़कियाँ आपस में कानाफ़ूसी कर रही थी।

ममम ! लगता है तुम दोनों को चुदवाने में बहुत ही मज़ा आया है। अच्छा बताओ किसका लौड़ा सबसे ज्यादा अच्छा लगा ? मैंने दोनों से पूछा।

दोनों शरमाने लगी। थोड़ा सोचने के बाद अंजू बोली… मुझे राम का लंड अच्छा लगा, कितना लंबा और मोटा है।

लेकिन मुझे श्याम का लंड ज्यादा अच्छा लगा, थोड़ा छोटा है पुर उसके चोदने का जो तरीका है, उसमें मज़ा ज्यादा आता है… मंजू बोली।

तुम दोनों अपनी जगह सही हो, चलो अब तैयार हो जाओ… मैंने कहा।

अभी रुको भाभी !! पहले आपको हमारे एक सवाल का जवाब देना है… अंजू कुछ सोचते हुए बोली, आपने राम और श्याम को हमें चोदने से क्यों नहीं रोका ?

मैं उन्हें क्यों रोकती। जब तुम दोनों पहले से ही चुदवाना चाहती थी तो मैंने उन्हें करने दिया जो वो करना चाहते थे। फिर तुम दोनों भी तो उन्हें रोक सकती थी, तुमने क्यों नहीं रोका उनको ?” मैंने सवाल पर सवाल किया।

हम नहीं कर सके भाभी ! हमारी चूत में इतनी खुजली हो रही थी…” अंजू ने कहा।

मैं नहीं मानती कि ये सचाई है… मंजू सोचते हुए बोली, भाभी याद है जब हमने कहा था कि हमारा मन चुदाई के लिये करता है तो आपने हमें शादी तक रुकने को कहा था ? नहीं भाभी ? हमें सचाई बताइये।

इन्हें एक दिन तो सचाई बतानी ही थी सो मैंने सोचा कि आज क्यों नहीं । ठीक है मैं बताती हूँ… फिर मैंने इन्हें पूरी कहानी सुना दी कि कैसे तुमने अपने स्वार्थ और तरक्की के लिये मुझे अपने दोनों बॉस से चुदवाने के लिये भेज दिया।

पर भाभी आप भी तो मना कर सकती थी ? आप क्यों तैयार हो गयी ? मंजू ने पूछा।

मैं भी तुम दोनों की तरह मना नहीं कर सकी। उस दिन मेरी भी चूत में ऐसे ही खुजली हो रही थी। मेरा भी मन चुदवाने का कर रहा था… चाहे किसी का भी लंड हो। तुम्हारे भैया ने मुझे वही कोक पिलाया था जो मैंने तुम दोनों को पिलाया था। उसमें उत्तेजना की दवाई मिली हुई है। मैंने सचाई बताते हुए कहा।

तो आपने ये तरकीब बनायी थी, यहाँ लाकर हमारी कुँवारी चूत अपने भाइयों से चुदवाकर आपने राज भैया का बदला लिया ? अंजू ने पूछा।

हाँ ये सही है, लेकिन अभी मेरे बदले का पहला चरन ही पूरा हुआ है… मैंने जवाब दिया।

पहला चरन ? जो हुआ उससे आपका दिल नहीं भरा ? अब आपको और क्या चाहिये ? मंजू ने पूछा, क्या आप अब ये चाहती हैं कि आपके भाई हमारी गाँड मारें।

नहीं मेरे भाई नहीं, मैं चाहती हूँ तुम्हारे भैया के सामने उनके बॉस, एम-डी और महेश तुम दोनों की गाँड का उदघाटन करें… मैंने जवाब दिया।

अगर हम दोनों ना करें और यहीं से घर वापस चले जायें तो ?” अंजू ने पूछा।

अगर तुम तैयार नहीं हो और घर वापस जाना चाहती हो तो जा सकती हो, मैं जिद नहीं कर सकती। लेकिन मैं तीन कारण बता सकती हूँ जिससे तुम ये सब करने के लिये तैयार हो जाओगी… मैंने कहा।

मैंने चालू रहते हुए कहा… पहला कारण तो ये है कि तुम अपने पिताजी को जल्दी वापस लौटने का क्या कारण बताओगी। दूसरा अगर तुम गर्भवती हो गयी तो मैं ही तुम दोनों को उस परेशानी से बचा सकती हूँ, और तीसरा, क्या तुम्हें नहीं लगता कि तुम्हारे भैया को सबक सिखाना चाहिये। तुम दोनों की चूत चुद चुकी है और दो चार और लंड लेने से कोई फ़रक नहीं पड़ने वाला, मैंने कहा, ठंडे दिमाग से सोच लेना और मुझे अपना फैसला सुना देना।

क्या राम और श्याम को मालूम है कि अपने अपना बदला लेने के लिये हमें मोहरा बनाया है ? अंजू ने पूछा।

नहीं ! उन्हें नहीं पता है ! सिर्फ़ हम लोगों को पता है, यहाँ तक कि तुम्हारे भैया को भी नहीं… मैंने जवाब दिया।

घूमने जाने से पहले मंजू ने कहा, भाभी हम तैयार हैं ! जैसा आप बोलेंगी, हम करेंगे।

अच्छा है ! अब राम और श्याम से दिल खोलकर मज़ा लो, तुम लोग दोबारा गर्भवती नहीं हो सकती… मैंने हँसते हुए जवाब दिया।

कार में बैठते वक्त राम ने कहा, दीदी ! गाड़ी आप चलाइये, हम चारों पीछे की सीट पर बैठ जायेंगे।

जब कार हाईवे पर पहुँची तो मैंने अंजू को बोलते हुए सुना, नहीं राम ! मैं तुम्हारा लंड अपने मुँह में नहीं ले सकती…

क्यों नहीं ले सकती ? जब तुम्हें चुदवाना था तो तुमने मेरा लंड चूस कर खड़ा किया नहीं था क्या ? राम ने जवाब दिया।

नहीं हमने तुम लोगों का लौड़ा नहीं चूसा…” मंजू बोली।

अगर यकीन नहीं आता तो अपनी भाभी से पूछ लो… श्याम बोला।

भाभी !!! इनसे कहिये ना कि हम लोगों ने इनका लंड नहीं चूसा था…” अंजू गिड़गिड़ायी।

मगर ये सच है कि तुम दोनों ने इनके लंड को जोर-जोर से चूसा था और तुम्हें मज़ा भी आया था। मैंने हँसते हुए जवाब दिया।

अब इसे चूसो मेरी जान !!! कहकर राम ने अपना लंड अंजू के मुँह में दे दिया।

थोड़ी देर बाद मुझे पीछे से चपर-चपर की आवाजें सुनाई दीं। मैंने रियरव्यू मिरर में देखा कि दोनों लड़कियाँ जोर-जोर से उनके लौड़े को चूस रही थी।

ओहहह अच्छा लग रहा है, अंजू ज़रा जोर से चूसो राम ने सिसकरी भरते हुए कहा।

ऐसे लगता है मंजू कि तुमने तो लौड़ा चूसने के लिये ही जन्म लिया है ! कितने अच्छे तरीके से चूस रही हो, हाँआआआ और जोर से चूसो… कहकर श्याम ने अपना लंड और अंदर घुसेड़ दिया।

थोड़ी देर में दोनों ने अपना वीर्य उनके मुँह में छोड़ दिया और दोनों गटक कर उनका पानी पी गयी।

जब हम शाम को घर पहुँचे तो मैंने उन चारों को कमरे में अकेला छोड़ दिया। पूरी रात चारों चुदाई करते रहे, उनके सिसकने की, चिल्लाने की अवाज़ें आती रही।

एक बात कहूँ राज ! तुम्हारी बहनें भी तुम्हारी तरह एक दम गरम हैं। जब तक वहाँ रहीं… मेरे भाइयों की हालत खराब कर दी। हम लोगों के जाने के बाद राहत की साँस ली होगी उन्होंने।

फिर हम लोग यहाँ चले आये और आगे की कहानी तुम्हें मालूम ही है। ये कहकर प्रीती ने अपनी कहानी खत्म करी।

Other stories you may be interested in

अनजान लड़की से ट्रेन में दोस्ती और चुदाई-2

इस सेक्स स्टोरी के पिछले भाग अनजान लड़की से ट्रेन में दोस्ती और चुदाई-1 में आपने पढ़ा कि मैंने प्रिया के घर में उसकी जबरदस्त चुदाई की थी. अब आगे … प्रिया की जबरदस्त चुदाई करने के बाद हम दोनों […]
Full Story >>>

चाची ने मेरी वासना जगा कर चूत चुदवाई

हैलो साथियो … मेरा नाम कपिल कुमार है. मैंने इस साइट पर अभी कुछ दिनों से ही सेक्स स्टोरी पढ़ना शुरू किया है. सच में इन कहानियों को पढ़ कर बहुत मज़ा आता है. इसीलिए मैंने भी सोचा कि मैं […]
Full Story >>>

बस में दोस्त बनी लड़की से सेक्स का मजा

दोस्तो, आपने मेरी पहली कहानी डांस कॉम्पटीशन में मस्ती को पढ़ा और सराहा, जिसके लिए आपका बहत-बहुत धन्यवाद. आप लोगों द्वारा भेजे गए ई-मेल हेतु भी धन्यवाद. आज पुनः मैं आपके सामने एक नई सच्ची कहानी लेकर हाजिर हुआ हूँ, […]
Full Story >>>

दोस्त की कुंवारी मौसी को चोदा

अन्तर्वासना के सभी पाठकों को मेरा नमस्कार. मैं नियमित रूप से अन्तर्वासना का पाठक हूँ. इधर की ढेर सारी कहानियां पढ़ने के बाद सोचा कि मैं भी अपनी जिंदगी की सेक्स लाइफ के रंगीन लम्हे आपसे शेयर करूँ. यह कहानी […]
Full Story >>>

दीदी … जीजू का लंड दिलवा दो न

प्रणाम दोस्तो, मेरा नाम रागिनी है, मैं अन्तर्वासना की बहुत बड़ी फैन हूँ. इसमें छपने वाली हर चुदाई की कहानी को पढ़कर मैं अपनी चूत में उंगली करती हूँ. अब मैं भी अपने जीजा के साथ अपनी एक मदमस्त चुदाई […]
Full Story >>>